522
M.K.N.

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–24)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

GSM (M-I)-2424

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: IQABAL AHMAD

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): HINDI

Reg. Number:

Center & Date: 07 Sept, 2024

UPSC Roll No. (If allotted): 6421410

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बारह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWELVE** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (*To be filled by Evaluator only*)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. (a) अन्वेषण कीजिये कि अनुनय किस प्रकार जनमत को प्रभावित करता है और सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करता है। (150 शब्द) 10

Explore how persuasion impacts public opinion and fosters social change. (150 Words) 10

अनुनय सामाजिक प्रभाव के रूप में मनाने एवं राजी करने तथा लोगों की मनोवृत्ति में परिवर्तन लाने संबंधी एक बेहतर अनुक्रिया संरचना के रूप में कार्य करता है।

* अनुनय एवं जनमत प्रभाव:

= पारस्परिक दृष्टिकोण में परिवर्तन
= शारीरिक आकर्षण
= दुर्लभता
= तदनात्मक प्रतिमान

* प्रमुख रूप से तीन प्रकार

1. ईथोस: विश्वसनीयता के आधार पर अन्वेषण अनुक्रिया
2. पैथोस: भावनाओं के आधार पर जागरूकता
3. लोगोस: तार्किक आधार पर अपील करना

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अनुनयन एवं सामाजिक परिवर्तन:

⇒ प्रभुत्व एवं प्रस्थिति

⇒ रोल मॉडल अभिवृत्ति

⇒ अनुरूपता की उपस्थिति

⇒ आज्ञापालन पर जोर देना

⇒ आदेशात्मक अनुक्रियाशीलता

⇒ तर्क एवं कार्य-कारण व्याख्या

इस प्रकार कहा जा सकता है कि अनुनयन के माध्यम से समाज की मनोवृत्तियों में परिवर्तन करके अनुकूलन करने की स्थिति को सकारात्मक या नकारात्मक रूप से बदला जाता है।

(b) प्रासंगिक उदाहरणों का उपयोग करते हुए शुचिता और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये। शासन में शुचिता सुनिश्चित करने के उपाय संबंधी सुझाव प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the difference between probity and integrity, using relevant examples. Suggest measures to ensure probity in governance. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नैतिक दृष्टिकोण से शुचिता से तात्पर्य बिना किसी पूर्वाग्रह के अधिकारों की स्थिति के पालन की अनिवार्यता से है।

सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, कर्तव्य बोध की स्थिति के मूल तत्व के रूप में उपस्थित होती है जिसमें समाजनैतिक गुणों का समावेश पाया जाता है।

शुचिता	सत्यनिष्ठा
⇒ शासन एवं दैनिक कार्यों में कार्य संहिता के मूल को सर्वोपरि रखा जाना	⇒ ईमानदारी, सहानुभूति एवं समानुभूति जैसे गुणों का समावेशन
⇒ बिना किसी पूर्वाग्रह के नीतियों का क्रियान्वयन करना	⇒ कर्तव्यों का एक सटीक मानक एवं अनुमान
⇒ नैतिक मानदंडों की स्थिति को बरकरार रखना	⇒ दैनिक कार्यों एवं नैतिकता की स्वीकार्यता (मूल्यवर्धनाइजेशन)।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शासन में शुचिता सुनिश्चित करने के उपाय:

⇒ ईमानदारी को प्रमुखता देनी चाहिए

उदाहरण : अयोध्या पथ में सिविल सेवकों द्वारा अपने रिश्तेदारों के नाम पर जमीनें खरीदने का मामला।

⇒ भ्रष्टाचार को समाप्त करने पर जोर देना चाहिए

उदा० कुछ लोगों द्वारा सिविल सेवा में रहते हुए पत्नी/पति के नाम पर व्यवसाय में सहयोग

⇒ कार्यस्थल पर अनुकूल माहौल

उदाहरण : लैंगिक रूप से अनुकूल माहौल का निर्माण एवं महिलाओं की शुचिता तथा सुरक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि शुचिता एवं सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों को आत्मसात किये जाने हेतु आवश्यक दृष्टिकोण अपनाये जाने की जरूरत है।

2. (a) प्रयुक्त साधन साध्य को आकार प्रदान देते हैं, इसलिये साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकते। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The means used shape the outcome, so the ends cannot justify the means. Discuss with examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महात्मा गांधी द्वारा कहा गया कि साध्य एवं साधन की स्थिति को समान में रखने की जरूरत होती है। क्योंकि साधन साध्य को आकार देते हैं। आप बबूल का वृक्ष लगाकर गुलाब की उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

साध्य एवं साधन की निरंतरता:

⇒ बेहतर लक्ष्यों की गतिशीलता एवं पवित्र साधनों का उपयोग करके साध्य को प्राप्त किया जा सकता है।

उदाहरण: भारत द्वारा पर्यावरण प्रदूषण कम करने हेतु वैदिक उपाय जैसे पंचामृत, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, अंतर्राष्ट्रीय सोलर एलायंस बनाना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

साध्य-साधन को अलग नहीं कर सकते :-

साध्य एवं साधन की उचित अनुचित अभिक्रिया में उसकी सन्निहित पवित्रता मानक एवं दृष्टिकोण प्रभाव परिलक्षित होता है।

उदाहरण: स्वतंत्रता हेतु हिंसा का सहारा लेने पर साध्य प्राप्त किया जा सकता है लेकिन साधन के रूप में हिंसा नकारात्मक दृष्टिकोण प्रकट करती है।

साध्य एवं ~~साध~~ साधन की अन्योन्याश्रितता हेतु दोनों की उचित सकारात्मकता अनिवार्य एवं मूल तत्व के रूप में शामिल होनी चाहिए।

(b) लोक प्रशासन में सूचना को रोकने के नीतिशास्त्रीय प्रतिफलन का परीक्षण कीजिये। यह भी स्पष्ट कीजिये कि सरकारी संस्थाओं में पारदर्शिता किस प्रकार उत्तरदायित्व को संवर्द्धित कर सकती है। (150 शब्द) 10

Examine the ethical considerations of withholding information in public administration. Also explain how transparency in government institutions can enhance accountability. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लोक प्रशासन से तात्पर्य जनता की जरूरतों एवं सेवाओं तक बेहतर, पारदर्शिता एवं खुलेपन के साथ पहुंच प्रदान करता है। इस संदर्भ में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 लागू किया गया है।

कतिपय दृष्टि में देखा गया है कि लोक प्रशासन सूचना को लोगों तक पहुंचाने में बाधा के रूप में कार्य करता है। इसके निम्न नीतिशास्त्रीय दृष्टिकोण हैं—

⇒ आफिशियल सीक्रेट एक्ट, 1923 की उपस्थिति

⇒ कर्तव्यनिष्ठा की ह्रासमान उपस्थिति

⇒ ईमानदारी जैसे मूल्यों का निम्न होना

⇒ भ्रष्टाचार को प्रोत्साहन मिलना

⇒ जनता के अधिकारों का हनन

⇒ सत्यनिष्ठा से समझौता की स्थिति

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सरकारी संस्थानों में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व बोध:

- सूचना (RTI) को प्राथमिकता देना एवं मजबूती प्रदान करने में योग देना।
- लोक प्रशासन की पारदर्शिता एवं रणनीति को बढ़ावा देना
- सहानुभूति, समानुभूति, करुणा जैसे तत्वों का समावेशन किया जाना
- लेखा जांच एवं संवीक्षा किया जाना
- फीड बैक एवं जागरूकता मानक को जनता के सामने प्रस्तुत किया जाना।

सूचना के अधिकार को सबसे अधिक प्राथमिकता देकर लोक जीवन में नैतिक प्रतिमानों को पुष्ट किया जाना चाहिए
'सूचना ही लोकतंत्र की वास्तविक मुद्रा है"

—'थामस जैफर्सन"

drishti | दृष्टि The Vision

3. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित उद्धरण में से प्रत्येक आपको क्या संदेश देते हैं:

What does each of the following quotation convey to you in the present context:

(a) "समाज के लगभग हर क्षेत्र में नीतिशास्त्र से अधिक महत्त्वपूर्ण कुछ भी नहीं है"- हेनरी पॉलसन (150 शब्द) 10

"In just about every area of society, there's nothing more important than ethics"- Henry Paulson (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नीतिशास्त्र से अभिप्राय सामाजिक जीवन में ऐसे प्रतिमानों के एक सेट से है जिसमें मानव, पशु, पर्यावरण आदि सम्पूर्ण समाज के लिए बेहतर अनुकूल शक्ति होती है।

हेनरी पालसन का उपर्युक्त विचार नीति शास्त्र के प्रत्येक क्षेत्र में निम्नलिखित रूप से लागू किया जा सकता है—

⇒ लोक प्रशासन में नैतिकता एवं नीतिशास्त्रीय नियम:— सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, करुणा, सहानुभूति आदि जैसे नियम जनता के अधिकारों एवं विश्वासों में बढ़ोत्तरी करते हैं।

⇒ कार्पोरेट प्रशासन में नीतिशास्त्रीय नियम कार्यस्थल

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

की अनुकूलनशीलता को बढ़ाते हुए लैंगिक विभेद एवं स्त्रियों को हानि पहुंचाने वाली अभिवृत्तियों में कमी लाते हैं।

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र में पर्यावरण, पशु-पक्षी एवं सम्पूर्ण पर्यावरण पारिस्थितिकी के लाभ हेतु बेहतर अवधारणा ढांचा ~~प्रस्त~~ प्रस्तुत करते हैं।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि हेनरी पालमर द्वारा नीतिशास्त्रीय नियमों और सार्वभौमिकता को सभी क्षेत्रों में समान रूप से लागू किया जा सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

(b) "प्रेम मात्र एक आवेग नहीं है, इसमें सत्य भी होना चाहिये, जो कि धर्म है।" - रवींद्रनाथ टैगोर

(150 शब्द) 10

"Love is not a mere impulse, it must contain truth, which is law."- Rabindra Nath Tagore.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रेम एक संवेग आच्छादित अभिव्यक्ति है जो करुणा, दया, समानुभूति के साथ अभिव्यक्ति के रूप में शामिल होती है।

रविंद्र नाथ टैगोर का उपर्युक्त कथन प्रेम की सत्यनिष्ठा के बारे में निम्न बोध कराता है —

⇒ धर्म के बुनियादी सिद्धांतों में प्रेम एवं सत्य को प्रमुखता से स्थान दिया गया है।

⇒ प्रेम और सत्य सामान्यतः आलौकिक होते हैं मगर दोनों धर्म के रूप में आकर एक लौकिकता का निर्माण करते हैं।

उदाहरण: हिंदू धार्मिक त्योहारों में देवी -देवताओं के पूजनीय होना तथा विवाह संस्कार को सत्यनिष्ठ संस्था माना जाना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ प्रेम एवं सत्य के साथ धर्म को शामिल करने पर सदाचार की स्थिति बनती है जो लोकाचार में वृद्धि करते हुए एक प्रशासकीय दृढ़ता का बोध कराती है।

उदाहरण: लोक सेवकों द्वारा करुणा, दया, सहानुभूति, त्याग आदि को अपना कर्तव्यनिष्ठ धर्म मानना

महात्मा गांधी के अनुसार सत्य से बड़ा तो ईश्वर भी नहीं है क्योंकि ईश्वर ही एकमात्र सत्य है जो प्रेम, दया, करुणा के माध्यम से अनुक्रिया करते हुए बेहतर प्रतिफल देता है।

drishti | दृष्टि The Vision

(c) "हर महान आस्था और परंपरा में सहिष्णुता एवं परस्पर बोध के मूल्य देखे जा सकते हैं" - कोफी अन्नान (150 शब्द) 10

"In every great faith and tradition one can find the values of tolerance and mutual understanding"- Kofi Annan (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सार्वभौमिक रूप से परंपरा एवं सहिष्णुता की नीति प्रेरक रूप में प्रत्येक युग में शामिल रही है। जो एक बोध के रूप में विश्व कल्याण एवं विश्व बंधुत्व के रूप में वर्तमान समय में भी प्रतिष्ठित है।

कोफी अन्नान द्वारा कहे गये उक्त कथन की निम्नलिखित व्याख्या की जा सकती है:—

* भारतीय संस्कृति का परिप्रेक्ष्य:

⇒ भारत की विविधता एवं सभी धर्मों के साथ एकीकरण की नीति अत्यंत प्राचीन रूप में समाहित करते हुए विविधता में एकता की परिपाटी को फलीभूत करती है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ सहिष्णुता एवं सांस्कृतिक बोध्य की यह स्थिति वसुधैव कुटुम्बकम और OSOWOG (वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड) की आधुनिक अवधारणा में बोध्य उत्पन्न करती है।

⇒ पाश्चिमी अवधारणा:

समता, बंधुता, समाजवाद एवं समान अधिकार जैसे मूल्यों का समावेशन।

⇒ पर्यावरण नैतिकता एवं वैश्वीकरण:

आस्था एवं सहिष्णुता के मूल्यों से परिपूर्ण एक वृहद सामाजिक अधिकार की अवस्था जिसमें सबका कल्याण ही निहित है।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि कोपर्नी अवतरण की उक्त अंतर्दृष्टि में सामाजिक पारस्परिकता की संनिहित बोध्यता प्राप्त होती है।

4. (a) अंतर्राष्ट्रीय उपादान कम विकसित देशों की सहायता करने का एक मान्यता प्राप्त तरीका है, जिससे इसके अनुप्रयोग में नीतिशास्त्र की भूमिका का परीक्षण करना महत्त्वपूर्ण हो जाता है। उपयुक्त उदाहरणों से अपने उत्तर को संपुष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

International aid is a recognized method of assisting less developed nations, making it crucial to examine the role of ethics in its application. Support your answer with suitable examples.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अंतर्राष्ट्रीय उपादान से तात्पर्य विकसित देशों या किसी भी देश द्वारा नैतिकता के आधार पर किसी प्रभावित देश (बाढ़, सूखा, युद्ध, भूकम्प आदि) को मौद्रिक प्रतिफल प्रदान करने से है। एक मान्य तरीका होने के कारण इसकी सराहना की जाती है परन्तु कुछ नैतिक मुद्दे भी महत्वपूर्ण रूप में शामिल होते हैं:—

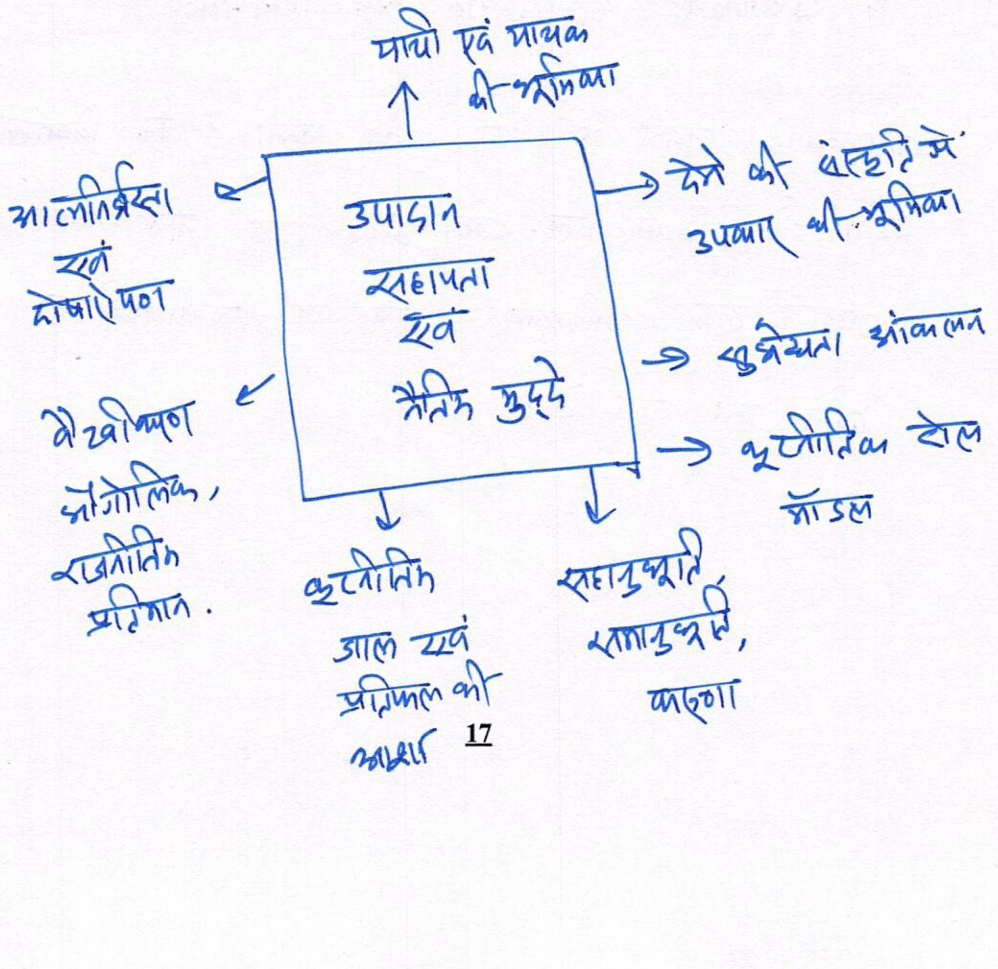

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अंतर्राष्ट्रीय उपादान कारक एवं उदाहरण:

⇒ पर्यावरण प्रदूषण के संदर्भ में विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को दिये जाने वाले मौद्रिक अनुदानों की अनिच्छा, अनुपलब्धता एवं जवाबदेही में कमी।

⇒ चीन जैसे देशों की उपादान के द्वारा ऋण कुचाल में वृद्धि

⇒ USA द्वारा विश्व गुरु के रूप में विभिन्न संस्थाओं के संचालन की स्थिति एवं दोषारोपण।

उपर्युक्त के संदर्भ में कहा जा सकता है कि विकसित देशों को विकासशील देशों द्वारा दिया जाने वाला उपादान एक अधिकार के रूप में विकासशील देशों का हक है।

(b) कार्यस्थल में प्रमुख नीतिशास्त्रीय चुनौतियाँ क्या हैं? नीतिपरक आचरण संगठनात्मक संस्कृति और कर्मचारी के मनोबल को कैसे प्रभावित करता है? संगठन के भीतर नीतिशास्त्र की संस्कृति को संवर्द्धित करने हेतु कार्यनीतियों के सुझाव प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

What are the key ethical challenges in the workplace? How does ethical conduct influence organizational culture and employee morale? Suggest strategies to foster a culture of ethics within an organization. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक क्षेत्रों में नीतिशास्त्रीय नियमों की एक व्यवस्था के रूप में कार्य स्थल एवं संगठनात्मक सांस्कृतिक मूल्यों के सेट के रूप में नैतिक दृष्टिकोण निम्न रूप में अपनाने हेतु जोर देते हैं।

कार्य स्थल एवं नीति शास्त्रीय चुनौतियां:

⇒ हितधारकों के बीच सामंजस्य अभाव

⇒ लैंगिक मुद्दों का निम्न स्तर

⇒ भ्रष्टाचार की नीति को बल

⇒ कर्तव्य पालन में कठिनाई

⇒ सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों में कमी

⇒ सहानुभूति, समानुभूति, न्याय बाध्या

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नैतिक आचरण एवं संगठन में प्रभाव:

⇒ कार्यालय का वातावरण एवं कार्मिकों का बर्ताव

⇒ शुचिता एवं नैतिकता प्रतिमान

⇒ सांस्कृतिक मूल्यों का समावेश

नीतिशास्त्रीय संस्कृति संवर्धन हेतु सुझाव:

⇒ लैंगिक मुद्दों का समाधान किया जाय

⇒ शुचिता एवं विरोधी हितों के बीच समन्वय

⇒ नैतिक मुद्दों के रूप में कर्तव्यों के मानक सेट को बनाए रखना

⇒ पुरस्कार एवं दण्ड की व्यवस्था करना

⇒ समानता एवं प्रोत्साहन को बल देना

⇒ टीम वर्क भावना के साथ कार्य करना।

उपर्युक्त सभी संदर्भों को शामिल करते हुए कहा जा सकता है कि वही करें जो आप चाहते हैं कि आपके साथ किया जाए, लोग यह ध्यान रखते हैं कि सर्वश्रेष्ठ क्या है।

drishti | दृष्टि The Vision

5. (a) वैक्सीन कूटनीति से आप क्या समझते हैं? वैश्विक महामारी के दौरान अन्य देशों के साथ वैक्सीन साझा करने के बजाय घरेलू वैक्सीन वितरण को प्राथमिकता देने के किसी देश के निर्णय में निहित नीतिपरक प्रतिफलन का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by vaccine diplomacy? Analyze the ethical considerations in a country's decision to prioritize domestic vaccine distribution over sharing vaccines with other nations during the global pandemic. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैक्सीन कूटनीति से तात्पर्य प्रभावित देशों में किसी आपदा के समय वैक्सीन उपलब्ध कराते हुए आपदा को कम करने हेतु आवश्यक सहयोग से है।
इसमें आवश्यकता, नैतिकता पालन एवं संवेदनशीलता जैसे प्रमुख मुद्दे शामिल होते हैं।

घरेलू वैक्सीन प्राथमिकता :

→ नैतिक आधार के तहत किसी भी आपदा की स्थिति में सबसे पहले देश हित को प्राथमिकता दी जाती है।

→ घरेलू वैक्सीन के संदर्भ में लोगों के बेहतर स्वास्थ्य मानक को प्राथमिकता दिया जाए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैक्सीन कूटनीति एवं अन्य देशों को वरीयता देना :

⇒ मानवीय दृष्टिकोण। करुणा एवं मदद

⇒ स्वहित बनाम परहित

⇒ आर्थिक रूप से अक्षम लोगों का कल्याण

महात्मा गांधी के अनुसार मैं तुम्हें एक मंत्र देता हूं जब भी लगे कि नैतिक रूप से आवश्यक दृष्टिकोण क्या है तुम समाज में अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के प्रभाव को याद कर सकते हो।

उक्त बातें नैतिकता की दृष्टि से वैश्विक देशों के वैक्सीन वितरण हेतु पूर्ण रूप से फिट एवं सटीक बैठती हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

(b) आदि शंकराचार्य की प्रमुख शिक्षाएँ क्या थीं? स्पष्ट कीजिये कि वर्तमान सामाजिक और नीतिपरक चुनौतियों से निपटने में वे किस प्रकार प्रासंगिक हैं। (150 शब्द) 10

What were the major teachings of Adi Shankaracharya? Explain how they are relevant in tackling current social and ethical challenges. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आदि शंकराचार्य सामान्यत: 8 वी से 9 वी शताब्दी में भारतीय सांस्कृतिक, दार्शनिक एवं धर्म की गौरवशाली परंपरा के द्योतक रहे हैं।

उनके द्वारा शाश्वत धर्म प्रसार हेतु भारत में प्रमुख रूप से चार स्थानों पर मठों की स्थापना की गई थी।

शंकराचार्य की प्रमुख शिक्षाएं :

⇒ शंकराचार्य क्षमा, दया एवं करुणा की शिक्षा देते हैं।

⇒ उनकी शिक्षाओं में ईश्वर का एकाकार रूप नजर आता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ वे पाखंड, झूठ आडंबरवाद का विरोध करते हैं।

⇒ वे ब्राह्मणवाद का विरोध करते हैं।

⇒ वे ईश्वर की प्राप्ति हेतु सत्य, अहिंसा जैसे मूल्यों को प्राथमिकता देते हैं।

वर्तमान समय में प्रासंगिकता

⇒ नीति एवं कर्तव्यों हेतु प्रासंगिक

⇒ न्याय एवं समानता की प्राप्ति

⇒ एकेश्वरवाद को प्रोत्साहन

⇒ विविधता में एकता का अनुकरण

⇒ दया, क्षमा, करुणा जैसे मूल्यों का विकास

इस प्रकार कहा जा सकता है कि शंकराचार्य की शिक्षाएं वर्तमान समय में भी प्रासंगिक हैं।

6. (a) सेबी प्रमुख के विरुद्ध हाल ही में लगाए गए आरोपों ने भारत में कॉर्पोरेट नीतिशास्त्र के विषय में चिंताओं को प्रकट किया है। इन संस्थाओं में नैतिक मानकों और विश्वास को संपुष्ट करने में नियामक निकायों की भूमिका पर चर्चा कीजिये।

(150 शब्द) 10

'Recent allegations against the SEBI Chief have highlighted concerns about corporate ethics in India. Discuss the role of regulatory bodies in upholding ethical standards and trust in these institutions.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कॉर्पोरेट नैतिकता में टीम वर्क भावना, अच्छी नैतिक अभिवृत्ति एवं लाभकारी माहौल बनाने हेतु कार्यात्मक प्रक्रिया शामिल होती है।

सेबी प्रमुख पर हाल ही में कॉर्पोरेट नैतिकता को भंग करने, एक साथ तीन संस्थानों से वेतन लेने तथा एक साथ सभी पदों पर प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से कार्य करने एवं उनको फायदा पहुंचाने संबंधी आरोप लगाये गये हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संस्थानों में नैतिक मानदंडों एवं मानकों की स्थापना करने हेतु बेहतर नियामक ढांचा फ्रेमवर्क :-

⇒ व्हीसिल ब्लोइंग को मजबूती प्रदान करना

⇒ सत्यनिष्ठा में वृद्धि प्रदान करना

⇒ नैतिक आचरण

⇒ लेखा परीक्षा एवं जवाबदेही

⇒ अवसंरचना एवं डेटा सुरक्षा

⇒ कर्मियों हेतु कोड की नैतिकता का पालन

इस प्रकार कहा जा सकता है कि नैतिक प्रतिमानों को लागू करके कॉर्पोरेट संस्थानों हेतु बेहतर अवसंरचना हेतु लक्ष्य निर्धारित किया जाना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

(b) प्लेटो के 'रिपब्लिक' ने न्याय के अध्ययन को व्यक्तियों के सद्‌गुण और संस्थाओं के सद्‌गुण के रूप में दो भागों में विभाजित किया है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Plato's Republic divided the study of justice in two, as a virtue of people and of institutions. Comment. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सुकरात के शिष्य के रूप में प्लेटो अपनी कृति रिपब्लिक (Republic) में न्याय, नैतिकता और सद्‌गुणों के सार के रूप में राज्य की अवधारणा की परिकल्पना करते हैं। जिसमें व्यक्तियों की सामान्य इच्छा को सद्‌गुणों के माध्यम से राज्य के सद्‌गुणों के नैतिक प्रतिमान से तुलनात्मक रूप से बांधते हैं।

व्यक्तियों के सद्‌गुण	संस्थाओं के सद्‌गुण
⇒ व्यक्तियों को राज्यों की नैतिकता में यकीन होना चाहिए।	⇒ राज्य की विभिन्न संस्थाओं को व्यक्तिगत कल्याण को प्राथमिकता देना चाहिए।
⇒ सद्‌गुणों में सकारात्मक अभिवृत्ति होनी चाहिए	⇒ सद्‌गुण मूल्यों के बोध में सहायक हो जो व्यक्ति को मजबूत करे।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ व्यक्तिगत सद्गुणों में करुणा, दया, सहानुभूति, क्षमा आदि जैसे नैतिक आदर्श होना चाहिए।	⇒ संस्थानों में सद्गुणों के रूप में न्याय, दया, ज्ञान, जानकारी एवं जवाबदेही के मूल तत्वों का समावेशन।
⇒ व्यक्तिगत रूप से विभिन्न संस्थानों का सम्मान किया जाना एवं कानून का पालन।	⇒ संस्थागत रूप से प्रत्येक व्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता में वृद्धि, गोपनीयता का सम्मान किया जाना चाहिए।

उपर्युक्त आधार पर प्लेटो रिपब्लिक के माध्यम से व्यक्तियों एवं संस्थानों के सद्गुणों के समानुपातिक संतुलन की वकालत करते हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

7. नई दिल्ली के एक प्रमुख कोचिंग संस्थान एपेक्स ट्यूटोरियल्स ने दावा किया कि उसके 300 छात्र संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JEE) 2023 में चयनित हुए हैं। विज्ञापन में 85% सफलता दर का दावा किया गया, जहाँ संस्थान को 'भारत का अग्रणी जेईई कोचिंग संस्थान' बताया गया।

यद्यपि विद्यार्थियों और प्रतियोगियों की शिकायतों के बाद केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) द्वारा इसकी जाँच शुरू की गई। जाँच में पता चला कि 300 सफल उम्मीदवारों में से केवल 220 को ही संस्थान से संबद्ध होने के रूप में सत्यापित किया जा सका। इनमें से अधिकांश छात्रों ने विज्ञापनों में सुझाए गए पूर्णकालिक, सशुल्क कोचिंग कार्यक्रमों के बजाय निशुल्क कार्यशालाओं में भाग लिया था या मॉक परीक्षाओं में भागीदारी की थी।

CCPA ने पाया कि एपेक्स ट्यूटोरियल्स ने जानबूझकर सफल छात्रों द्वारा भाग लिये गए पाठ्यक्रमों की प्रकृति के बारे में महत्त्वपूर्ण विवरण का विलोपन कर दिया था। इस विलोपन ने संभावित छात्रों को यह विश्वास दिलाने हेतु भ्रमित किया कि पूर्णकालिक, सशुल्क पाठ्यक्रम ही इन उम्मीदवारों की सफलता का मुख्य कारण थे।

CCPA ने एपेक्स ट्यूटोरियल्स पर 3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया और आदेश दिया कि वे एक सुधारात्मक विज्ञापन जारी करें, जिसमें सफल उम्मीदवारों द्वारा भागीदारी किये गए कार्यक्रमों की वास्तविक प्रकृति का स्पष्ट रूप से खुलासा किया जाए। इसके अतिरिक्त, संस्थान को नैतिक विज्ञापन संहिता लागू करने की सलाह दी गई ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भविष्य के सभी दावे पारदर्शी और पूरी तरह से प्रमाणित हों।

एपेक्स ट्यूटोरियल्स ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी, अधिक नैतिक विज्ञापन अभ्यासों के लिये प्रतिबद्धता जताई और अपनी विपणन कार्यनीतियों की आंतरिक समीक्षा शुरू की। संस्थान ने भविष्य में किसी भी शिकायत का त्वरित समाधान करने के लिये एक उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली भी स्थापित की।

(a) एपेक्स ट्यूटोरियल्स के विज्ञापनों में महत्त्वपूर्ण सूचना का विलोपन किस प्रकार नीतिपरक चिंताएँ उत्पन्न करता है?

(b) CCPA जैसी नियामक संस्थाएँ किस प्रकार यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि शैक्षिक विज्ञापन न केवल विधिक रूप से अनुपालन योग्य हों, बल्कि नैतिक रूप से भी सही हों?

(c) विश्वास को पुन: स्थापित करने और भविष्य के विज्ञापन प्रयासों में नीतिपरक अभ्यासों को सुनिश्चित करने के लिये एपेक्स ट्यूटोरियल्स को क्या कदम उठाने चाहिये? (250 शब्द) 20

Apex Tutorials, a prominent coaching institute in New Delhi, claimed that 300 of its students were selected in the Joint Entrance Examination (JEE) 2023. The advertisement boasted an 85% success rate, branding the institute as "India's Leading JEE Coaching Institute."

However, an investigation by the Central Consumer Protection Authority (CCPA) was launched after complaints from students and competitors. The investigation revealed that out of the 300 claimed successful candidates, only 220 could be verified as having been associated with the institute. Most of these students had attended free workshops or participated in mock exams rather than the full-time, paid coaching programs that the advertisements suggested.

The CCPA found that Apex Tutorials had intentionally omitted important details regarding the nature of the courses that the successful students had attended. This omission misled potential students into believing that the full-time, paid courses were the primary reason for the success of these candidates.

The CCPA imposed a fine of ₹3 lakh on Apex Tutorials and mandated that they issue a corrective advertisement, clearly disclosing the actual nature of the programs attended by the successful candidates. Additionally, the institute was advised to implement a code of ethical advertising, ensuring that all future claims are transparent and fully substantiated.

drishti | दृष्टि The Vision

Apex Tutorials issued a public apology, committed to more ethical advertising practices, and initiated an internal review of its marketing strategies. The institute also established a consumer grievance redressal system to address any future complaints promptly.

(a) How does the omission of key information in Apex Tutorials' advertisements raise ethical concerns?

(b) How can regulatory bodies like the CCPA ensure that educational advertisements are not only legally compliant but also ethically sound?

(c) What steps should Apex Tutorials take to rebuild trust and ensure ethical practices in future advertising efforts?

(250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्तमान समय में प्रतिस्पर्द्धी दौर एवं परीक्षा की कठिन स्थिति में व्यापारिक नैतिकता मानकों हेतु नैतिक अंतर्दृष्टि प्रदान की है जहां पर कोचिंग संस्थानों में सामान्यतः स्वयं की सफल स्थिति बनाने हेतु नकारात्मक नैतिकता प्रदर्शित की गई। दिये गये प्रश्न में एपेक्स ट्यूटोरियल्स (AT) की ऐसे झूठे भ्रामक दावों का एक सेट प्रदान करते हैं।

(a) नैतिक चिंताएं:

⇒ बाजारवाद

⇒ विश्वास मानक

⇒ सूचना छिपाना

⇒ झूठी जानकारी

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ विज्ञापन संहिता मानक

⇒ अनैतिक प्रतिस्पर्धा

⇒ स्वहित बनाम उपभोक्ता हित

⇒ सार्वजनिक पब्लिक डोमेन

⇒ विज्ञापनों की स्थिति

⇒ मूल्य नैतिकता

⇒ संस्थान की गरिमा

⇒ अनैतिक आकर्षण

⇒ अनुभव की नकारात्मक छवि

⇒ अनुकरण एवं प्रचार की नैतिकता

(b): CCPA जैसे संस्थानों की भूमिका:

⇒ कानून का एक परिभाषित सेट प्रदान करना

⇒ अनैतिक व्यापार प्रथाओं पर रोक लगाना

⇒ विज्ञापन जाँचने हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ कोचिंग संस्थानों का लेखांकन एवं परीक्षा में डेटा एकत्र करना

⇒ जुर्माने के साथ ही कोचिंग संचालकों को सजा दिलाना

⇒ छात्र जागरूकता एवं कोचिंग कक्षा में कमी लाना

⇒ कोचिंग सेंटर्स के एकत्रीकरण को कम करना जैसे दिल्ली में मुखर्जी नगर एवं राजेन्द्र नगर में कोचिंग का वर्चस्व।

(C) विश्वास बहाली एवं भविष्य में नीतिगत आधार सुनिश्चित करने हेतु स्टेकहोल्डर्स द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए जाने चाहिए —

⇒ भविष्य में उन्हीं विद्यार्थियों को शामिल करना जिन्होंने सम्पूर्ण कोर्स में अध्ययन एवं प्रवेश लिया है।

⇒ जनता की शिकायतों पर तत्काल प्रतिक्रिया किया जाना

⇒ गलत जानकारी को सार्वजनिक डोमेन में लाने से बचना

⇒ सतर्क एवं सटीक मूल्यांकन किया जाना

⇒ कोचिंग अभ्यास एवं जवाबदेही को बढ़ावा देना

उपर्युक्त केस स्टडी में सोशल इन्फ्लुएंसर्स को प्रचार मानकों की नैतिकता को ध्यान में रखते हुए उपयोगितावाद के नकारात्मक प्रभाव से बचना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

8. सोनिया पटेल विगत् पाँच वर्षों से पर्यावरण मंत्रालय में लोक सूचना अधिकारी (PIO) के पद पर कार्यरत हैं। उनकी कार्य भूमिका में सूचना के अधिकार (RTI) अधिनियम के तहत सूचना अनुरोधों का प्रबंधन करना और मंत्रालय के भीतर पारदर्शिता सुनिश्चित करना शामिल है।

हाल ही में सोनिया को एक प्रमुख पर्यावरण कार्यकर्ता संगठन से RTI आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसमें मंत्रालय द्वारा हाल ही में आयोजित पर्यावरण प्रभाव आकलनों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। संबंधित रिपोर्टें एक बड़े पैमाने की औद्योगिक परियोजना से संबंधित हैं, जो महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक बहस एवं विवाद का विषय रही है।

सोनिया ने अनुरोधित रिपोर्टों की समीक्षा की और पाया कि आकलनों से कुछ संभावित नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों का संकेत मिलता है, जिन्हें परियोजना की पर्यावरणीय मंजूरी में पूरी तरह से संबोधित नहीं किया गया था। यदि यह सूचना प्रकट की जाती है तो परियोजना की प्रगति प्रभावित हो सकती है और गंभीर सार्वजनिक आक्रोश उत्पन्न हो सकता है, जिससे संभवतः मंत्रालय के लिये विधिक एवं राजनीतिक परिणाम भी सामने आ सकते हैं।

सोनिया पारदर्शिता के महत्त्व और सूचना तक पहुँच के जनता के अधिकार को समझती हैं, परंतु उन्हें इस संवेदनशील सूचना को जारी करने के संभावित परिणामों के बारे में भी पता है। उन पर अपने वरिष्ठों की ओर से रिपोर्टों के कुछ विवरण छिपाने का दबाव है, जहाँ इसके संभावित विधिक एवं राजनीतिक परिणामों का हवाला दिया गया है। इसके अतिरिक्त, सोनिया जानती हैं कि इस सूचना के जारी होने से उनके करियर पर प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि इससे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उनके संबंध खराब हो सकते हैं और उनकी भविष्य की संभावनाओं पर प्रभाव पड़ सकता है।

(a) संलग्न हितधारकों का उल्लेख कीजिये।
(b) सूचना जारी करने का निर्णय लेते समय सोनिया को किन प्रमुख नीतिपरक सिद्धांतों पर विचार करना चाहिये?
(c) सोनिया के पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? उनकी स्थिति को देखते हुए कौन-सा कदम उनके लिये सबसे उपयुक्त होगा? (250 शब्द) 20

Sonia Patel has been serving as the Public Information Officer (PIO) for the Ministry of Environment for the past five years. Her role involves handling requests for information under the Right to Information (RTI) Act and ensuring transparency within the ministry.

Recently, Sonia receives an RTI application from a prominent environmental activist organization requesting detailed reports on recent environmental impact assessments conducted by the ministry. The reports in question are related to a large-scale industrial project that has been a subject of significant public debate and controversy.

Sonia reviews the requested reports and notices that the assessments indicate some potential negative environmental impacts that were not fully addressed in the project's environmental clearance. This information, if disclosed, could impact the project's progress and generate significant public outcry, possibly leading to legal and political repercussions for the ministry.

While Sonia understands the importance of transparency and the public's right to access information, she is also aware of the potential consequences of releasing this sensitive information. She is under pressure from her superiors to withhold some of the details in the reports, citing concerns about potential legal and political fallout. Additionally, Sonia is aware that the release of this information could affect her career, as it may lead to strained relations with senior officials and impact her future prospects.

(a) Mention the stakeholders involved.
(b) What are the key ethical principles Sonia should consider when deciding whether to release the information?
(c) What are the courses of actions available to Sonia? Which action would be best suited to her, given her situation? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

लोक सूचना अधिकारी (PIO) जैसे महत्वपूर्ण पदीय दायित्व का निर्वहन करने वाले लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे सभी परिस्थितियों में लोक हित के लिए सूचना प्रदान करते एवं लोक प्रशासन में नैतिक नियमों को संचालित करने में योग देंगे।

(a). उक्त केस स्टडी में संलग्न हितधारक:

⇒ सोनिया पटेल

⇒ मंत्रालय

⇒ पर्यावरण कार्यकर्ता (RTI आवेदनकर्ता)

⇒ सामान्य जनता

⇒ सोनिया के वरिष्ठ अधिकारीगण

⇒ विभिन्न राजनेता

⇒ कार्यालय प्रशासन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) : प्रमुख नैतिक सिद्धांत :

⇒ गोपनीयता एवं कर्तव्य

⇒ पर्यावरणीय नैतिकता

⇒ आर्थिक भेदभाववाद की स्थिति

⇒ उपयोगितावाद की स्थिति

⇒ संवेदनशीलता

⇒ सहानुभूति

⇒ न्याय

⇒ सोनिया को अपने कर्तव्यों के पालन के रूप में उपर्युक्त सभी बातों पर ध्यान देना चाहिए और एक बेहतर नैतिक प्रतिमान स्थापित करने हेतु आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(C) सोनिया के पास मौजूद विकल्प:

1. ⇒ सूचना देने से इंकार करना
2. संक्षिप्त सूचना देना
3. वरिष्ठों से परामर्श करना एवं लिखित आदेश लेना
4. भविष्य की संभावनाओं के बारे में सजगता एवं कैरियर प्राथमिकता।

सर्वाधिक उत्तरदायी विकल्प:

1. सूचना देने से इंकार करना लोकहित एवं सूचना के अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन समझा जाएगा।
2. संक्षिप्त सूचना देने से सूचना की गुणवत्ता प्रभावित होगी, हालांकि PIO के तौर पर सोनिया अपने कर्तव्यों को कुछ हद तक पूरा कर पायेगी परन्तु यह पूर्ण रूप से सही नहीं होगा।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. वरिष्ठों से परामर्श लेने की स्थिति में कुछ हद तक उसके कर्तव्यों एवं उसकी समझ के प्रति नकारात्मकता पैदा हो सकती है, परन्तु लिखित साक्ष्यों की स्थिति भविष्य में अहित से बचाने में मदद कर सकती है।

4. भविष्य की स्थिति पर ध्यान रखना, सफलता न होने के क्रम में ही संभव है तथा इससे कर्तव्यों में शिथिलता आएगी।

उपर्युक्त केस स्टडी के हिसाब से सोनिया को तीसरे बिंदु के रूप में प्राथमिकता देनी चाहिए। क्योंकि बिना लिखित अभिलेखों के मौखिक स्थिति मान्य नहीं होती है।

drishti | दृष्टि The Vision

9. हेल्थइनोवेट इंक' नामक दवा कंपनी ने एक दुर्लभ एवं गंभीर चिकित्सा स्थिति के उपचार के लिये एक आशाजनक प्रयोगात्मक दवा विकसित की है। दवा ने शुरुआती नैदानिक परीक्षणों में उल्लेखनीय परिणाम प्रदर्शित किये हैं और कंपनी इसे बाज़ार में लाने के लिये नियामक अधिकारियों से मंज़ूरी मांग रही है।

यद्यपि, इस दवा को अभी तक सामान्य उपयोग के लिये मंज़ूरी नहीं मिली है और इसकी उपलब्धता फिलहाल कुछ ऐसे रोगियों तक ही सीमित है जो विशिष्ट मानदंडों को पूरा करते हैं। बड़ी संख्या में रोगियों और पैरोकार समूहों द्वारा दवा तक विस्तारित पहुँच की मांग की जा रही है, जहाँ उनका तर्क है कि इसके संभावित लाभ गैर-अनुमोदित उपचार के उपयोग से संबद्ध जोखिमों से कहीं अधिक हैं।

परिदृश्य और भी जटिल होता जा रहा है क्योंकि मीडिया कवरेज में उन रोगियों की कहानियों को उजागर किया जा रहा है जो इस बीमारी से पीड़ित हैं और मानते हैं कि प्रायोगिक दवा उनके जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला सकती है। कुछ रोगियों ने दवा के नैदानिक परीक्षणों से बाहर इसके दयापूर्ण उपयोग या विस्तारित पहुँच के लिये याचिका दायर की है।

हेल्थइनोवेट इंक इन अनुरोधों को संबोधित करने के विषय में नैतिक दुविधाओं का सामना कर रहा है। एक ओर, कंपनी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि व्यापक उपयोग से पहले दवा सुरक्षित और प्रभावी सिद्ध हो। दूसरी ओर, उन रोगियों के लिये पहुँच प्रदान करने का एक प्रबल नैतिक तर्क मौजूद है जिन्हें उपचार की सख्त आवश्यकता है।

(a) संलग्न नीतिपरक सिद्धांतों की चर्चा कीजिये।

(b) यह निर्धारित करने के लिये कौन-से मानदंड स्थापित किये जाने चाहिये कि किन रोगियों को प्रायोगिक उपचार तक पहुँच प्राप्त हो। पक्षपात या भेदभाव से बचने के लिये इन मानदंडों को नैतिक रूप से किस प्रकार कार्यान्वित किया जा सकता है? (250 शब्द) 20

A pharmaceutical company, "HealthInnovate Inc.," has developed a promising experimental drug intended to treat a rare and severe medical condition. The drug has shown remarkable results in early clinical trials, and the company is seeking approval from regulatory authorities to bring it to market.

However, the drug is not yet approved for general use, and its availability is currently limited to a small number of patients who meet specific criteria. A growing number of patients and advocacy groups are calling for expanded access to the drug, arguing that its potential benefits outweigh the risks of using an unapproved treatment.

The situation has become increasingly complex as media coverage highlights stories of patients who are suffering from the condition and believe that the experimental drug could significantly improve their quality of life. Some patients have petitioned for compassionate use or expanded access to the drug outside of clinical trials.

HealthInnovate Inc. is facing ethical dilemmas regarding how to handle these requests. On one hand, the company wants to ensure that the drug is safe and effective before widespread use. On the other hand, there is a strong moral argument for providing access to patients who are in desperate need of treatment.

(a) Discuss the ethical principles involved.

(b) What criteria should be established to determine which patients receive access to experimental treatments. How can these criteria be applied ethically to avoid favoritism or discrimination? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हेल्थइनोवेट इंक नामक दवा कंपनी की उक्त केस स्टडी के निम्नलिखित दृष्टिकोण नैतिकता पर आधारित हैं:—

⇒ रोगी जीवन बनाम चिकित्सा नैतिकता

⇒ व्यापारिक हित बनाम मूल्य

"शेष Page No. (42)"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) रोगियों को प्रायोगिक उपचार

= एक डाटा एकत्रित किया जाना चाहिए

⇒ दवा का प्रतिकूल प्रभाव जानना चाहिए

⇒ परीक्षण मानवों को आदिम रूपों में लेकर अध्ययन के रूप में दवा की स्थिति देखना

⇒ पक्षपात एवं भेदभाव से बचाव:

⇒ सहानुभूति जैसे गुणों का समावेशन

⇒ लाभांश को कम किया जाना

⇒ व्यापारिक नीतियाँ एवं नागरिकता को हतोत्साहित किया जाना

⇒ दवा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उक्त केस स्टडी चिकित्सा नैतिकता एवं ड्रग के नैदानिक परीक्षण हेतु विकासशील एवं मानकीकृत अवस्था के रूप में प्रमुख बिंदुओं की तरफ ध्यान आकर्षित करने में योग देते हैं।

(a). संलग्न नीति परक सिद्धांत:

= रोगी जीवन तथा नैतिकता: शुरुआती नैदानिक परीक्षणों से तत्कालिक लाभ को भविष्य में व्यापक प्रयोग हेतु सतर्कता बरतने संबंधी दृष्टिकोण अपनाना।

= गैर-अनुपचार संबंधी जोखिम:

उपचार संबंधी जोखिम की स्थिति एवं प्रत्युत्पा (एलर्जी) एवं नुकसान का आंकलन अभाव।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ उपयोगितावाद :

अधिक लोगों का लाभ / कल्याण - उत्तम क्रांति की स्थिति।

⇒ चिकित्सा अनुबंध एवं नैतिकता :

हिप्पोक्रेटिक ईक का नैतिक दृष्टिकोण स्वयं में कुछ हद तक सही कहा जा सकता है क्योंकि जल्दी में दवा को पूर्ण रूप से मार्केट में लाना खतरनाक हो सकता है।

यह नीतिगत बदलाव के रूप में नीति सहिंतां जैसे तत्वों की नैतिकता का भी अनुसरण करता है।

10. पूर्वी भारत के एक छोटे से शहर में भयंकर बाढ़ आई है, जिससे व्यापक विनाश हुआ है। शहर की सड़कों, पुल और संचार लाइनों सहित बुनियादी ढाँचे को भारी क्षति पहुँची है। हजारों लोग फँसे हुए हैं और बचाव अभियान की तत्काल आवश्यकता है। स्थिति गंभीर है और तत्काल राहत के लिये सीमित संसाधन उपलब्ध हैं। रवि कुमार, जो ज़िला कलेक्टर हैं, आपदा प्रबंधन प्रयासों के समन्वय के लिये जिम्मेदार हैं।

खाद्य और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सीमित है। रवि को यह तय करना होगा कि इन संसाधनों को किस प्रकार आवंटित किया जाए। बाढ़ का पानी तेजी से बढ़ रहा है और रवि के पास कुछ ही बचाव नौकाएँ हैं। उन्हें तय करना होगा कि सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालने को प्राथमिकता दी जाए, भले ही इसका अर्थ दूसरों को अस्थायी रूप से पीछे छोड़ना हो, अथवा बचाव प्रयासों को पूरे शहर में एकसमान रूप से कार्यान्वित किया जाए, जिससे सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में अधिक लोगों के हताहत होने का जोखिम है। रवि को पता है कि स्थिति बिगड़ रही है तथा अभी और भारी वर्षा का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है।

(a) रवि की निकासी प्राथमिकता को किन सिद्धांतों से निर्देशित होना चाहिये?
(b) क्या रवि कुमार को स्थिति की गंभीरता के बारे में जनता को पूरी जानकारी दे देनी चाहिये, जबकि उन्हें पता है कि इससे आकस्मिक भय का संचार हो सकता है?
(c) रवि कुमार को प्रभावित आबादी के लिये तत्काल राहत और दीर्घकालिक सुधार दोनों को किस प्रकार सुनिश्चित करना चाहिये? (250 शब्द) 20

A severe flood has hit a small town in Eastern India, causing widespread destruction. The town's infrastructure, including roads, bridges, and communication lines, has been severely damaged. Thousands of people are stranded, and there is an urgent need for rescue operations. The situation is critical, with limited resources available for immediate relief. Ravi Kumar - the District Collector, is responsible for coordinating the disaster management efforts.

There is a limited supply of food and clean drinking water. Ravi must decide how to allocate these resources. The floodwaters are rising rapidly, and Ravi has only a few rescue boats. He must decide whether to prioritize evacuating people from the most affected areas, even if it means leaving others behind temporarily, or to spread the rescue efforts evenly across the town, risking higher casualties in the worst-hit areas. Ravi is aware that the situation is worsening, and more heavy rains are forecasted.

(a) What principles should guide Ravi's evacuation prioritization?
(b) Should Ravi Kumar fully disclose the severity of the situation to the public, knowing it could cause panic?
(c) How should Ravi Kumar ensure both immediate relief and long-term recovery for the affected population? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में बदलते पर्यावरणीय कारकों एवं मौसम की स्थिति ने बाढ़ की विभिषिका में तीव्र रूप से उपस्थिति दर्ज की है। भारत के पूर्वी क्षेत्र में बाढ़ की विभिषिका सामान्यतः प्रत्येक वर्ष देखी जा रही है। उक्त केस स्टडी में बाढ़ की विभीषिका पूर्वी भारत में इसके विनाश, बचाव एवं प्रशासनिक रूप से राहत कार्यों पर अंतर्दृष्टि डालती है।

(a) रवि कुमार की निकासी प्राथमिकता एवं सिद्धांतों की सिद्धि :

⇒ उपयोगितावाद : उपयोगितावादी सिद्धांत के हिसाब से रवि की कार्यवाही में अधिकतम लोगों के कल्याण से संबंधित अवधारणा शामिल है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ न्याय एवं समानुभूति :

समानुभूति के हिसाब से अधिक संकटग्रस्त लोगों को सर्वप्रथम प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

⇒ मध्यम मार्ग का अनुसरण करना:

बुद्ध द्वारा दिये गये मध्यम मार्ग का अनुसरण करने पर सभी तात्कालिक आवश्यकता के क्रम में महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगों आदि को सुभेद्यता से बचाने में योगदान देने में प्राथमिकता प्रदान कर सकते हैं।

(b) स्थिति की गंभीरता एवं जानकारी :

⇒ ऐसी स्थिति में जनता को बताने से घबराहट की स्थिति पैदा हो सकती है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ भय के संचार से लोगों में निराधार का अभाव पैदा हो सकता है।

(C). तत्काल राहत :

⇒ NDRF, SDRF एवं जिला स्तरीय डिजास्टर (आपदा) टीम को बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए स्थापित करना

⇒ खाद्यान्न वितरण एवं बाढ़ जागरूकता पर व्यापक नजर रखना

⇒ टीम भावना हेतु भावनात्मक संतुलन बनाना

⇒ प्रौद्योगिकी प्रयोग के रूप में ड्रोन एवं प्रावधिक डाटा एकत्रीकरण

⇒ घायलों के उपचार हेतु चिकित्सा राहत

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दीर्घ कालिक उपाय :

⇒ बुनियादी ढांचा उपाय कार्यवाही

⇒ बाढ़ पीड़ितों की क्षति का आंकलन एवं सहायता

⇒ बिमारी प्रकोप को रोकना

⇒ खाद्य एवं रसद की आपूर्ति बेहतर करना

⇒ बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने हेतु वृहद बुनियादी ढांचा सुदृढ़ीकरण

⇒ भौगोलिक क्षेत्रों की मैपिंग एवं बांधों आदि का निर्माण करना।

इस प्रकार की कार्यवाही के द्वारा बेहतर अनुकूलन से बाढ़ को नियंत्रित किया जा सकता है।

11. गंगानगर शहर में एक सुबह अर्जुन पटेल जब काम पर जा रहे थे तो उन्हें अचानक एक आवारा कुत्ते ने काट लिया। इस दुबले-पतले और गंदले कुत्ते ने पीछे से उन पर हमला किया, जिससे अर्जुन लड़खड़ाकर गिर पड़े। जख्म मामूली ही था, परंतु अर्जुन सहम गए और उन्हें संक्रमण की चिंता हुई। वह तुरंत स्थानीय रुग्णालय में गए, जहाँ उनका उपचार किया गया और उन्हें सलाह दी गई कि घटना की सूचना संबंधित प्राधिकारों को दें।

अर्जुन को आवारा कुत्ते द्वारा काटने की खबर समुदाय में तेज़ी से फैल गई। स्थानीय निवासी चिंतित हुए और उन्होंने आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को संबोधित करने के लिये तत्काल कार्रवाई की मांग की। उस शाम टाउन हॉल में आयोजित बैठक का वातावरण तनावपूर्ण था। अर्जुन ने अपनी चिंता व्यक्त की और जोर देकर कहा कि आवारा कुत्ते सार्वजनिक सुरक्षा के लिये गंभीर खतरा बन गए हैं। शोर-शराबे के बीच, प्रसिद्ध पशु चिकित्सक डॉ. नेहा गुप्ता और पशु अधिकार कार्यकर्ता अनीता राव प्रेस कॉन्फ्रेंस की तैयारी कर रही थीं। डॉ. गुप्ता वर्षों से आवारा पशुओं पर काम करती रही हैं और जानती हैं कि भोजन एवं चिकित्सा देखभाल की कमी के कारण कई पशु पीड़ित हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इस मुद्दे को संबोधित करने के लिये अधिक मानवीय दृष्टिकोण आवश्यक है। पशु कल्याण की उत्साही पैरोकार अनीता राव ने इस दृष्टिकोण का समर्थन किया एवं कुत्तों के यूथनेशिया की तुलना में उनकी नसबंदी करने और उन्हें पालने के कार्यक्रमों के महत्त्व पर बल दिया।

समुदाय और पशु कल्याण समूहों की ओर से बढ़ते दबाव का सामना कर रहे मेयर राजेश मेहता ने स्थिति पर चर्चा करने के लिये एक आपातकालीन बैठक आहूत की। उन्होंने स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में अर्जुन की चिंताओं, पशुओं के कल्याण के बारे में डॉ. गुप्ता की चेतावनियों और मानवीय व्यवहार पर अनीता राव की पैरोकारी को ध्यान से सुना।

(a) मेयर के समक्ष कौन-सी नैतिक दुविधाएँ हैं?

(b) केस स्टडी में प्रस्तुत सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं और पशु कल्याण हितों के बीच संघर्ष का विश्लेषण कीजिये। इस तरह के संघर्षों को नैतिक रूप से किस तरह से हल किया जाना चाहिये, जिसमें शामिल सभी पक्षों के हित को ध्यान में रखा जाए?

(c) मेयर की निर्णय लेने की प्रक्रिया में कौन-से नीतिपरक सिद्धांत मार्गदर्शक होंगे? यह उनके नेतृत्व पर किस तरह से प्रतिबिंबित होगा? (250 शब्द) 20

On a brisk morning in the city of Ganganagar when Arjun Patel, on his way to work, was suddenly bitten by a stray dog. The dog, thin and disheveled, had lunged at him from behind, causing Arjun to stumble and fall. The bite was minor but left Arjun shaken and concerned about possible infections. He rushed to the local clinic, where he received treatment and was advised to report the incident to the authorities.

News of Arjun's bite quickly spread through the community. Local residents were alarmed and demanded immediate action to address the rising number of stray dogs. In a town hall meeting that evening, the atmosphere was tense. Arjun voiced his concerns, insisting that the stray dogs posed a significant risk to public safety. In the midst of the uproar, Dr. Neha Gupta, a well-known veterinarian, and Anita Rao, an animal rights activist, were preparing for a press conference. Dr. Gupta had been working with stray animals for years and knew that many were suffering due to lack of food and medical care. She argued that a more humane approach was necessary to address the issue. Anita Rao, a passionate advocate for animal welfare, supported this view, emphasizing the importance of sterilization and adoption programs over euthanasia.

Mayor Rajesh Mehta, facing mounting pressure from the community and animal welfare groups, held an emergency meeting to discuss the situation. He listened carefully to Arjun's concerns about health risks, Dr. Gupta's warnings about the well-being of the animals, and Anita Rao's advocacy for humane treatment.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(a) What are the ethical dilemmas faced by the mayor?

(b) Analyze the conflict between public health concerns and animal welfare interests as presented in the case study. How should such conflicts be ethically resolved in a way that considers the welfare of all parties involved?

(c) What ethical principles guide the mayor's decision-making process? How does this reflect on his leadership? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्तमान समय में बढ़ते मानव-पशु संघर्ष एवं प्रदूषण तथा शहरीकरण के कारण पशुओं के जीवन में उनकी चेतना में आक्रामकता देखी जा रही है। इस प्रकार का बदलाव शहरी जीवन में कुत्तों द्वारा मानव को काटने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

उपर्युक्त केस स्टडी में कुत्ता काटने के कारण आक्रोश के रूप में नैतिक दृष्टिकोण शामिल होते हैं।

(a) मेयर के समक्ष नैतिक दुविधाएं:

= सहानुभूति : जानवरों के प्रति मेयर का दृष्टिकोण सहानुभूति पूर्ण है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

करुणा एवं दया : कुत्तों का मानव के आप आश्रित होने एवं भोजन तथा आश्रय अभाव के कारण करुणा एवं दया का पात्र मानना

⇒ **पशु कल्याण** : पशु भी प्राकृतिक पर्यावरण में प्रमुख रूप से सकारात्मक योग देते हैं। इसलिए उनकी सुरक्षा एवं रक्षा की जिम्मेदारी।

(b): सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता एवं पशु कल्याण:

⇒ अर्जुन पटेल को कुत्ता काटने से हुई स्वास्थ्य की क्षति, पीड़ा, समस्या और भविष्य में होने वाले रैबीज के प्रति आशंका बोध।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ चिकित्सा मानक एवं रैबीज वैक्सीन की प्रभावशीलता के बारे में सफलता दर की स्थिति।

⇒ कुत्ते द्वारा और भी लोगों को काटने के प्रति संकट हेतु उपाय करना

⇒ नैतिक हल के रूप में कुत्तों का टीकाकरण, बंध्याकरण (स्टेरलाइजेशन) एवं उनके लक्षणों पर नजर रखना

⇒ जागरूकता कैंपेन चलाना

⇒ पशुओं हेतु भोजन एवं आश्रय की व्यवस्था करना।

⇒ विभिन्न NGO एवं सिविल सोसाइटी जैसे पेटा (PETA) आदि से संपर्क करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(C): मेयर के निर्णय प्रक्रिया में शामिल प्रमुख सिद्धांत: मार्गदर्शन एवं नेतृत्व क्षेत्र:

⇒ शुचिता सुनिश्चित करना

⇒ सहायता एवं समानुभूति

⇒ पशु कल्याण एवं मानव कल्याण में संतुलन

⇒ चिकित्सा सहायता कोष बनाना

⇒ सभी लोगों के साथ समन्वय करना।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि मानव-पशु संघर्षों को कम करने में सार्वजनिक सहयोग की आवश्यकता है।

धरती पर मानव ही एकमात्र प्राणी है जिसके पास नैतिकता का प्रतिमान मौजूद है।

12. सरकार ने 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' (PMGSY) की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य दूरदराज़ के गाँवों में सभी मौसमों के लिये अनुकूल सड़कें बनाकर ग्रामीण अवसंरचना में सुधार करना है। इस पहल का उद्देश्य अलग-थलग पड़े समुदायों को आवश्यक सेवाओं और बाज़ारों से जोड़ना था, ताकि आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले।

सुदूरवर्ती सूर्यविला गाँव में स्थानीय प्रशासन को गाँव को पास के शहर से जोड़ने वाली एक महत्त्वपूर्ण सड़क के निर्माण के लिये PMGSY के तहत एक महत्त्वपूर्ण आवंटन प्राप्त हुआ। यह संविदा एक स्थानीय ठेकेदार श्री विक्रम जोशी को प्रदान की गई, जो विश्वासपात्र होने की प्रतिष्ठा रखते थे।

इस परियोजना की लागत 60 लाख रुपए थी और यह धनराशि उच्च गुणवत्तायुक्त सामग्री, कुशल श्रम और कुशल परियोजना प्रबंधन के लिये निर्धारित की गई थी। अपने उत्साही मुखिया श्री रमेश वर्मा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उत्सुकता से इस निर्माण कार्य के पूरा होने की प्रतीक्षा की, जहाँ उन्हें उम्मीद थी कि इससे बाज़ार, स्कूल और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी अभिगम्यता में सुधार होगा।

जैसे ही कार्य शुरू हुआ, श्री जोशी ने पाया कि किसी सख्त निगरानी की कमी है और इसे उन्होंने व्यक्तिगत लाभ के लिये एक अवसर के रूप में देखा। उन्होंने घटिया सामग्री का उपयोग कर और आवश्यकता से कम श्रमिकों को काम पर रखकर लागत को कम करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने चालान में सामग्री एवं श्रम की लागत बढ़ाकर दिखाने के लिये जाली दस्तावेज़ भी तैयार कर लिये।

सड़क निर्माण वरदान बनने के बजाय अभिशाप बन गया। घटिया सामग्री के कारण खराब तरीके से बनी सड़क जल्दी ही टूट-फूट गई और कुछ ही माहों में उसमें गड्ढे हो गए। बेहतर संपर्क की उम्मीद कर रहे ग्रामीणों को परिवहन संबंधी और भी अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। श्री जोशी के कार्यों के कारण मरम्मत एवं रखरखाव में देरी ने उनके अलगाव को और बढ़ा दिया।

एक स्थानीय स्कूल शिक्षिका, जो इस परियोजना पर बारीकी से नज़र रख रही थीं, ने कार्य की गुणवत्ता और परियोजना की समयसीमा में विसंगतियों को नोटिस करना शुरू किया। उन्होंने अपनी चिंताओं को श्री वर्मा के समक्ष प्रकट किया, जिन्होंने फिर ज़िला के अधिकारियों से संपर्क किया। जाँच में पता चला कि श्री जोशी ने धन के एक बड़े हिस्से का गबन कर लिया था। ठेकेदार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया तथा सड़क निर्माण में सुधार करने और गलत तरीके से इस्तेमाल की गई धनराशि को वापस वसूलने के प्रयास किये गए। समुदाय के सदस्यों और स्वतंत्र लेखा परीक्षकों को शामिल कर सामाजिक लेखापरीक्षा किये जाने से परियोजना की नियमित निगरानी हो सकती थी।

(a) सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार रोकने में सामाजिक लेखापरीक्षा क्या भूमिका निभा सकती है?

(b) सार्वजनिक कल्याण पर लक्षित सरकारी परियोजनाओं को कार्यान्वित करते समय एक ठेकेदार की क्या नीतिपरक ज़िम्मेदारियाँ होती हैं? (250 शब्द) 20

The government launched the "Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana" (PMGSY), a scheme aimed at improving rural infrastructure by constructing all-weather roads in remote villages. The initiative was intended to connect isolated communities to essential services and markets, thereby fostering economic development.

In the remote village of Suryavilla, the local administration received a significant allocation under PMGSY to build a crucial road linking the village to the nearby town. The contract was awarded to a local contractor, Mr. Vikram Joshi, who had a reputation for being reliable.

The project was valued at ₹60 lakh, and the funds were earmarked for high-quality materials, skilled labor, and efficient project management. The villagers, led by their enthusiastic headman, Mr. Ramesh Verma, eagerly anticipated the construction, hoping it would improve their access to markets, schools, and healthcare.

As work began, Mr. Joshi noticed the lack of strict oversight and saw an opportunity for personal gain. He decided to cut costs by using substandard materials and hiring fewer workers than required. He forged documents to inflate the cost of materials and labor in his invoices.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

The road construction, instead of being a boon, became a bane. The substandard materials resulted in a poorly constructed road that quickly deteriorated, with potholes forming after just a few months. The villagers, who had hoped for better connectivity, found themselves facing more transportation problems. The delay in repairs and maintenance caused by Mr. Joshi's actions exacerbated their isolation.

A local schoolteacher who had been following the project closely, began to notice discrepancies in the quality of work and the project timeline. She brought her concerns to Mr. Verma, who then approached the district authorities. An investigation revealed that Mr. Joshi had embezzled a substantial portion of the funds. The contractor was charged with corruption, and efforts were made to rectify the roadwork and recover the misappropriated funds. A social audit, conducted by involving community members and independent auditors, could have provided regular oversight of the project.

(a) What role can social audits play in ensuring transparency and preventing corruption in government schemes?

(b) What ethical responsibilities does a contractor have when executing government projects intended for public welfare? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोक नीति में भ्रष्टाचार की स्थिति वर्तमान समय में तीव्र रूप से बढ़ रही है कोई भी ऐसा कार्य नहीं है जिसमें भ्रष्टाचार की उपस्थिति न दिखाई देती हो।

उपर्युक्त केस स्टडी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के संदर्भ में भ्रष्टाचार की स्थिति के संदर्भ में निम्नलिखित पहलू शामिल होते हैं —

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ सामाजिक न्याय की स्थिति में गिरावट

⇒ लोक निधि का गलत उपयोग

⇒ अनैतिक व्यक्तियों प्रतिमान

⇒ पॉलिसी निर्माण कार्य से समस्या

⇒ विसंगतियां एवं वेतन की स्थिति।

(a). सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु उपाय तथा सामाजिक लेखा परीक्षा:

⇒ सामाजिक लेखा परीक्षा कराने से दिये गये बजट के हिसाब से कार्य की गुणवत्ता में जांच एवं पारदर्शिता को बेहतर किया जा सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ सार्वजनिक धन के बंदरबांट पर अंकुश लगाने में मदद होगी।

⇒ जवाबदेही सुनिश्चित करने में आसानी।

(b): सार्वजनिक कल्याण एवं सरकारी परियोजना के कार्यान्वयन में ठेकेदार की जिम्मेदारी :-

⇒ सत्यनिष्ठा का पालन किया जाना: ठेकेदार से अपेक्षा की जाती है कि ईमानदारी एवं आवंटित बजट का सत्यनिष्ठा के साथ पालन करे।

⇒ उपयोगितावाद का सिद्धांत: सरकारी नीतियां सामान्यतः उपयोगितावादी दर्शन में अधिकतम लोगों के कल्याण को देखते हुए क्रियान्वित की जाती है। इसलिए ठेकेदार को भी अपनाना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समानुभूति : ठेकेदार को ऐसा सोचना चाहिए जैसे वह अपने स्वयं के उपयोग के लिए किसी भी चीज का निर्माण कर रहा हो।

सहयोग एवं भ्रष्टाचार को समाप्त करना:

किसी भी ठेकेदार को सहयोगी आचरण के रूप में नैतिकता एवं नागरिकोन्मुखी अभिवृत्ति को ध्यान में रखना चाहिए तथा भ्रष्टाचार जैसी अनैतिक प्रवृत्ति से बचना चाहिए।

लोकहित को ध्यान में रखते तथा अनैतिक प्रथाओं का त्याग किया जाना चाहिए। क्योंकि जो भी हम समाज को देते हैं वह हमें उसी रूप में वापस मिलता है।

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)